जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 19 संख्याः 151 प्रभात जालोर, शुक्रवार 6 सितम्बर, 2024 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

‘सेबी चेयरमैन की ‘‘इन्टिग्रिटी’’ (ईमानदारी) पर सवाल उठना देश की इकॉनमी के लिए घातक’

‘अगर स्टॉक एक्स्चेंज की विश्वसनीयता पर संदेह होने लगा तो विदेश से स्टॉक एक्स्चेंज में पैसा आना बंद हो सकता है’

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। सेबी अध्यक्ष माधबी बुच के खिलाफ आरोपों को लेकर दबाव को जारी रखते हुए, कांग्रेस ने आज इस मामले में स्वतन्त्र जाँच की मांग की तथा दृढ़तापूर्वक कहा कि इस मामले की जाँच कराया जाना राष्ट्र-हित में है क्योंकि विदेशी निवेशकों को चिन्ता हो रही है। उन्हें भारत के स्टॉक मार्केट की ईमानदारी के बारे में सन्देह हैं।

विपक्षी दल ने कहा कि सेबी अध्यक्ष बुच को अलग रखते हुए, स्वतंत्र जाँच बहुत जरूरी है। तभी भारत के स्टॉक मार्केट के बारे में, तथा प्रकारान्तर से भारत को अर्थव्यवस्था में, विश्वास एवं भरोसे की बहाली हो सकती है।

प्रोफेशनल्स कांग्रेस तथा डाटा ऐनेलैटिक्स के अध्यक्ष प्रवीण चक्रवर्ती ने दावा किया है कि सेबी की अलमारी के कई ढ़ाँचे ढ़ह रहे हैं। सर्वविदित है कि सेबी भारत की सर्वाधिक महत्वपूर्ण संस्थाओं में से एक है।

- यह एक नैशनल संकट पैदा कर सकता है, अंतः सेबी चेयरमैन के प्रकरण की जांच होनी ही चाहिए। तब तक वर्तमान सेबी चेयरमैन अपने पद से अस्थाई इस्तीफा दें और किसी अन्य को पदभार सौंपें, निष्पक्ष जांच के लिए।
- प्रोफैशनल कांग्रेस के चेयरमैन व डेटा एनालिस्ट प्रवीण चक्रवर्ती ने प्रेस कॉन्फ्रैंस आयोजित करके कहा, उनके पास विदेशी पूँजी निवेशकों के फोन व ई-मेल आ रहे हैं, यह जानने के लिए कि भारत के स्टॉक एक्स्चेंज की क्या स्थिति है, वह विश्वसनीय है या नहीं।

उन्होंने ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 10 अगस्त को एक विदेशी रिसर्च फर्म ने एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें सेबी अध्यक्ष तथा उनके खिलाफ विदेशी फन्ड्स से सम्बन्धित आरोप लगाये गए थे। रिपोर्ट में कहा गया था कि फर्म के पास आरोपों के दस्तावेजी प्रमाण हैं। ये आरोप एक रिसर्च फर्म ने लगाए थे, किसी राजनैतिक दल ने नहीं। इसकी प्रतिक्रिया में, मोदी सरकार के एक केबिनेट मंत्री ने इस मुद्दे को सम्बोधित भी किया था।’’

चक्रवर्ती ने प्रश्न किया, ‘‘सरकार ने एक विदेशी रिसर्च फर्म द्वारा सेबी के एक व्यक्ति पर लगाये गए आरोपों का जवाब क्यों दिया था?

उन्होंने कहा, ‘‘सेबी अध्यक्ष माधवी पुरी बुच जवाब नहीं दे रही है, बल्कि आई.सी.आई.सी. बैंक जवाब दे रही है। आखिर क्यों?

चक्रवर्ती ने यह भी कहा कि सेबी के 500 अधिकारियों ने भारत सरकार को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि बुच के नेतृत्व में काम का माहौल ‘‘विषाक्त, अपमानजनक एवं आशंकित’’ करने वाला है।

उन्होंने कहा, ‘‘आज की एक समाचार रिपोर्ट कहती है कि माधवी पुरी बुच जब आई.सी.आई.सी. आई. में थीं, उस समय भी उनके पास दो नौकरियाँ थीं। उस समय वे ‘‘ग्रेटर स्पेसिफिक केपिटल’’ नामक प्राइवेट इक्विटी फन्ड में भी कार्यरत थी।...... हो सकता है कि बुच की नियुक्ति फायनेंस प्रोफेशनल के पद पर रही हो, लेकिन यह तथ्य बहुत सारे आरोपों और प्रश्नों को जन्म देता है। क्या इस बात से चिन्ता नहीं बढ़ती?’’

कांग्रेस नेता ने प्रश्न किया, ‘‘एक निष्पक्ष एवं वस्तुपुरक जॉच कराने में आखिर हिचक क्यों है?’’

उन्होंने कहा, ‘‘चूँकि मैं एक फायनेंसियल प्रोफेशनल रह चुका हूँ, इसलिये मेरे पास विदेशी निवेशकों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बढ़ते तापमान से कश्मीर का मौसम बिगड़ा

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। कश्मीर घाटी के दस जिलों में पिछली सदी के मौसम के डेटा का विश्लेषण कर रहे शोधकर्ताओं ने कहा है कि इस क्षेत्र को, विशेष रुप से सर्दियों और मानसून में बढ़े हुए तापमान का सामना करना पड़ सकता है। गरमाहट (वॉर्मिंग) का यह ट्रैंड पारंपरिक मौसम पैटर्न को अस्त व्यस्त कर रहा है, जिसके परिणामस्वरुप क्षेत्र का इकोसिस्टम

- शोधकर्ताओं ने गत सदी के मौसम डेटा विश्लेषण कर दावा किया कि कश्मीर में तापमान बढ़ रहा है खासकर सर्दी में और मानसून के दौरान, इससे क्षेत्र का इकोसिस्टम बिगड़ गया है।

बिगड़ रहा है। इसी प्रकार, सर्दी के महीनों में कम वर्षा दर्ज की जा रही है, जबकि, इसके विपरीत गर्मी तथा बसंत के महीनों में बारिश अधिक हो रही है।

स्प्रिंगर एण्ड रिसर्च गेट द्वारा प्रकाशित, 1901-2018 तक के ट्रैण्ड्स के लेखकों का कहना है कि ‘‘अधिक वर्षा से बाढ़ तथा भूस्खलन का खतरा बढ़ सकता है। अधिक वर्षा एवं ‘‘स्टीप टोपोग्राफी’’ (सीधी ऊँचाइयों)

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

एक साल में कोचिंग छात्र की बारहवी आत्महत्या

कोटा में कोचिंग विद्यार्थियों के जीवन में बढ़ते तनाव का एक और दुःखद सबूत

कोटा, 5 सितम्बर (निसं)। शहर के जवाहर नगर थाना इलाके में एक और कोचिंग छात्र ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। वह मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बरसाना नगर (मथुरा) का निवासी था और कोटा में निजी कोचिंग से मेडिकल एन्ट्रैंस एग्ज़ाम की तैयारी कर रहा था।

- मथुरा जिले के छात्र परशुराम ने सात दिन पहले ही मेडीकल एन्ट्रैंस परीक्षा की तैयारी के लिये निजी कोचिंग संस्थान में प्रवेश लिया था।
- जिस पी.जी. में आत्महत्या हुई वहां से किसी ने भी आत्महत्या रोकने की गेट कीपर ट्रेनिंग नहीं की थी। पी.जी. में हैंगिंग डिवाइस भी नहीं लगा हुआ था।

छात्र, पुराना जवाहर नगर इलाके में एक मकान में कमरा किराए पर लेकर रह रहा था। छात्र ने सात दिन पहले ही कोटा आकर निजी कोचिंग में मेडिकल एन्ट्रैंस की तैयारी के लिए एडमिशन लिया था। जवाहर नगर थाने के सब इंस्पेक्टर गोपाल लाल बैरवा का कहना है कि उत्तर प्रदेश के मथुरा जिले के मानपुर बरसाना निवासी 21 वर्षीय परशुराम पुत्र खचरमल के संबंध में बुधवार रात 11.30 बजे मकान मालिक अनूप कुमार ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी।

पुलिस उप अधीक्षक द्वितीय राजेश टेलर, थानाधिकारी जवाहर नगर हरिनारायण शर्मा सहित पुलिस जाप्ता मौके पर पहुंचा। एफ.एस.एल. टीम को भी साक्ष्य एकत्रित करने के लिए मौके पर बुलाया गया। इसके बाद मृतक के शव को फंदे से उतारकर एम.बी.एस. अस्पताल की मोर्चरी में शिफ्ट करवाया है।

सब इंस्पेक्टर गोपाल लाल बैरवा का कहना है कि मकान मालिक ने परशुराम को शाम को कपड़े सुखाते हुए देखा था लेकिन उसके बाद वह जब नजर नहीं आया तो उन्होंने दरवाजा खटखटाया। छात्र ने दरवाज़ा नहीं खोला तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी थी। परशुराम ने आत्महत्या क्यों की, इस संबंध में कोई खुलासा नहीं हो पाया है।

कोटा में कोचिंग छात्र की आत्महत्या का इस साल में यह 12वां मामला है। पुलिस ने परिजनों को सूचना दे दी है। मृतक छात्र के परिजन कोटा पहुंच गए हैं। शव का पोस्टमार्टम करवा कर परिजनों को सौंप दिया जाएगा। जिला प्रशासन ने कोटा के हॉस्टल और पीजी संचालकों को निःशुल्क गेट कीपर ट्रेनिंग करवाई है।

यह गेटकीपर ट्रेनिंग सुसाईड रोकने में अहम भूमिका भी निभा रही है लेकिन जिस पीजी में सुसाईड हुआ है, वहां किसी ने भी गेट कीपर ट्रेनिंग नहीं की हुई थी।

इसके अलावा जिला प्रशासन ने सभी पीजी और हॉस्टल रूम में हैंगिंग डिवाइस लगाने के निर्देश दिए हैं, लेकिन इस पीजी रूम में पंखे में हैंगिंग डिवाइस भी नहीं थी। ऐसे में प्रशासन को पुलिस इस संबंध में पूरी रिपोर्ट भी भेजेगी।

महाराष्ट्र की चुनावी सभा में राहुल गांधी अति आक्रामक हुए प्र.मंत्री मोदी के खिलाफ

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सिंधु दुर्ग में छत्रपति शिवाजी की मूर्ति गिरने के लिए ही माफी नहीं मांगनी चाहिए बल्कि नोटबंदी, किसान विरोधी बिल और जी.एस.टी. के लिए भी माफी मांगनी चाहिए। मोदी के महाराष्ट्र में होने सत्रहवी सदी के वीर योद्धा राजा के इस अपमान के लिए मोदी को महाराष्ट्र के हरेक नागरिक से माफी मांगनी चाहिए। ज्ञातव्य है कि 26 अगस्त को सिंधु दुर्ग में महाराजा शिवाजी की प्रतिमा गिर गई थी।

राहुल गांधी ने पार्टी नेता स्व. पतंगराव कदम की मूर्ति के अनावरण के दौरान जनता को सम्बोधित करते हुए यह बात कही।

शिवाजी महाराज की प्रतिमा गिरने से मुद्दे पर महाराष्ट्र की भाजपा-शिवसेना (शिंदे)-एन.सी.पी. सरकार के निशाने पर आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र यात्रा के दौरान कहा कि वे इस महान राजा, जो उनके आराध्य हैं, की मूर्ति टूटने व जनभावनाएं आहत होने के लिए माफी मांगते हैं।

- राहुल ने कहा शिवाजी की मूर्ति लगाए जाने में हुए भ्रष्टाचार के अलावा प्रधानमंत्री को नोट बंदी, जी.एस.टी. और किसान विरोधी कानूनों के लिए भी माफी मांगनी चाहिए।

गांधी ने कहा, मैं प्रधानमंत्री से पूछना चाहता हूं कि वे इस किस बात की माफी मांग रहे हैं क्या इसलिए कि मूर्ति का ठेका आर.एस.एस. के आदमी को दिया गया था जिसमें उसकी योग्यता नहीं थी या फिर वे इसमें हुए भ्रष्टाचार के लिए माफी मांग रहे हैं?

मोदी को बताना चाहिए कि सारे ठेके अडानी और अंबानी को ही क्यों दिए जाते हैं और क्या वे सिर्फ दो लोगों के लिए ही सरकार चला रहे हैं?

प्रधानमंत्री मोदी ने किसान विरोधी कानूनों के लिए भी माफी नहीं मांगी है, जिन्हें बाद में भारी विरोध के कारण वापस ले लिया गया था।

राहुल ने कहा कि मोदी को नोटबंदी और जी.एस.टी. के लिए भी माफी मांगनी चाहिए।

राहुल गांधी ने कहा भाजपा जातिगत व्यवस्था को कायम रखना चाहती है और चुनाव आ गए, शिक्षण संस्थानों और कानूनी व्यवस्था तथा नौकरशाही पर कब्जा करके संविधान को खत्म कर देना चाहती है। उन्होंने कहा कि इन संस्थानों में नियुक्ति के लिए एकमात्र योग्यता आर.एस.एस. से जुड़ा होना मात्र है। जातिगत जनगणना की मांग दोहराते हुए राहुल ने कहा कि इससे पता चलेगा समाज के विभिन्न वर्गों में कितने लोग हैं? तथा देश की समृद्धि और निर्णय क्षमता में उनकी कितनी भागीदारी है?

धर्म के नाम पर वन भूमि का अतिक्रमण नहीं हो सकता- हाईकोर्ट

जयपुर, 5 सितंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने एक आदेश में कहा कि धार्मिक भावनाओं के आधार पर वन भूमि पर अतिक्रमण की अनुमति नहीं दी जा सकती। इसके साथ ही अदालत ने श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन अतिशय क्षेत्र, सुदर्शन तीर्थ पर पांच लाख रुपए का हर्जाना लगाया है।

- राजस्थान हाईकोर्ट ने जैन तीर्थ की याचिका खारिज कर 5 लाख रुपये का हर्जाना लगाया
- उच्च न्यायालय ने गैर मुमकिन पहाड़ के आवंटन से लिये आवेदन को भी गलत माना।

अदालत ने तीर्थ की ओर से दायर याचिका को खारिज कर दिया है। अदालत ने यह भी कहा कि हर्जाना राशि में से दो लाख रुपए मामले में जनहित याचिका दायर करने वाले व्यक्ति शंकर लाल को दिए जाएं और शेष राशि राज्य

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा शिवाजी की मूर्ति स्टील से बननी चाहिए थी

गडकरी ने यह भी कहा कि समुद्र तटों के आसपास जो भी निर्माण हो उनमें स्टील का ही उपयोग होना चाहिए क्योंकि उसमें जंग नहीं लगता, मैं तीन साल से इस पर ही जोर दे रहा हूँ

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले में राजकोट फोर्ट पर शिवाजी महाराज की प्रतिमा के निर्माण में यदि स्टेनलैस स्टील का उपयोग किया होता तो वो गिरती नहीं। गडकरी ने यह भी कहा कि तटीय क्षेत्रों में ‘‘रस्ट रैज़िस्टैंट’’ (जंग प्रतिरोधी) उत्पादों का उपयोग किया जाना चाहिए।

26 अगस्त को मराठा स्टेट के प्रतिष्ठित संस्थापक की प्रतिमा गिरने के बाद राज्य में राजनीतिक वाद-विवाद छिड़ गया है। ऐसे समय में जबकि, महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

रोड ट्रांसपोर्ट एण्ड हाईवेज़ मिनिस्टर ने यहाँ एक कार्यक्रम में कहा कि पिछले तीन वर्षों से वो जोर दे रहे हैं कि समुद्र के पास बनाए जाने वाले पुलों के निर्माण में स्टेनलैस स्टील का उपयोग किया जाना चाहिए। उन्होंने याद किया कि जब वो महाराष्ट्र के पी.डब्ल्यु.डी. मंत्री थे उस समय वो मुंबई में 55 फ्लायओवर बनवा रहे थे और एक व्यक्ति ने उन्हें मूर्ख बनाया था।

- गडकरी ने इस सम्बंध में एक घटना का जिक्र किया जब वे महाराष्ट्र में पी.डब्ल्यू.डी. मंत्री थे तब उन्होंने मुम्बई में 55 फ्लायओवर बनाए थे, तब एक नौसिखिया ने आयरन रॉड्स पर गन पाउडर लगाकर दावा किया कि अब इनमें जंग नहीं लगेगी, पर नतीजा क्या हुआ उनमें जंग लग गई।
- गडकरी ने सुझाव दिया कि समुद्र के समीप 30 किलोमीटर के दायरे में स्टेनलैस स्टील का ही प्रयोग किया जाना चाहिए।

गडकरी ने बताया, उस व्यक्ति ने लोहे की सरियों पर किस प्रकार की कोटिंग लगा दी और कहा कि वो रस्ट फ्रूफ (जंग रोधी) हैं। लेकिन, जंग लगी। मेरा मानना है कि समुद्र के पास 30 कि.मी. तक स्टेनलैस स्टील का उपयोग किया जाना चाहिए। छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के लिए यदि स्टेनलैस स्टील का उपयोग किया जाता तो वो कभी नहीं गिरती।’’

महाराष्ट्र सिंधुदुर्ग जिले में पुलिस ने छत्रपति शिवाजी की मूर्ति गिरने के संबंध में ठेकेदार जयदीप आप्टे के विरुद्ध ‘‘लुक आउट सर्कुलर’’ (एल.ओ.सी.) जारी किया है। आप्टे को देश से बाहर भागने से रोकने के लिए एयरपोर्ट तथा सभी अन्य निकासी के मार्गों पर एल.ओ.सी. जारी की गई है।

ठाणे के मूर्तिकार, आप्टे ने प्रतिमा बनाने का ठेका पूरा किया था। तथापि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन के नौ महीनों के अंदर ही, 26 अगस्त को प्रतिमा गिर जाने के बाद मालवान पुलिस ने आप्टे तथा स्ट्रक्चरल कन्सलैंटर चेतन पाटिल के विरुद्ध लापरवाही तथा अन्य अपराधों पर केस दर्ज किया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि, पाटिल को कोल्हापुर से गिरफ्तार किया गया है, जबकि आप्टे की तलाश जारी है और मालवान पुलिस ने उसके विरुद्ध एन.ओ.सी. जारी की है।

इसी बीच, बुधवार को पुणे में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड प्रकरण के आरोपी को जमानत मिली

जयपुर, 5 सितंबर (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने उदयपुर के कन्हैयालाल हत्याकांड प्रकरण में रेकी करने के आरोप में न्यायिक अभिरक्षा में चल रहे आरोपी मोहम्मद जावेद को जमानत पर रिहा करने के आदेश दिए हैं। जस्टिस पंकज भंडारी और जस्टिस प्रवीर भटनागर ने यह आदेश आरोपी की अपील पर सुनवाई करते हुए दिए।

- अधिवक्ता का तर्क था कि एन.आई.ए. ने बिना ठोस साक्ष्य, केवल कॉल डिटेल के आधार पर आरोपी बनाया है।

याचिका में अधिवक्ता सआदत अली ने अदालत को बताया कि नैशनल इन्वैस्टिंग एजेन्सी (एन.आई.ए.) ने बिना किसी ठोस साक्ष्य अपीलार्थी को केवल कॉल डिटेल के आधार पर मामले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने चुपचाप, बिना किसी हो हल्ला के डैंग शिपिंग का 120 वां जन्म दिन मनाया

नरसिम्हा राव की भांति डैंग को भी लंबे समय तक राजनीतिक सन्यास झेलना पड़ा था

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 सितम्बर। चीन ने हाल ही में आधुनिक चीन के निर्माता, डैंग शिपिंग की 120वीं जन्म शताब्दी मनाई है। माओ त्से डाँग ने कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना जो पी.पी.सी. के नाम से विख्यात है, का गठन किया था तथा देश में सदियों से व्याप्त परिपाटियों और अंधविश्वासों को खत्म कर दिया था वो कम्युनिस्ट चाइना के निर्माता थे। लेकिन माओ ने भारी ज्यादातियाँ की थीं तथा उनके सनकी विचारों की भारी कीमत चुकानी पड़ी थी।

माओ की मृत्यु के बाद, वो डैंग शिपिंग ही थे जिन्होंने माओ की महंगी और भारी गल्तियों से देश को बचाया।

भारतीय राजनेताओं में डैंग की यदि किसी से बराबरी की जा सकती है तो वो हैं पी.वी.नरसिम्हा राव। दोनों को ही अपने जीवन में लंबे समय का राजनीतिक वनवास झेलना पड़ा था। लेकिन उनका सूर्य तब चमका जब उन्हें रिटायरमैंट से बाहर खींचकर लाया गया और वो ऐसे शिखर पहुँचे जिसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी।

डैंग शिपिंग और राव ने अपने राजनीतिक करियर के अंतिम चरण में अपने देशों को बदलकर रख दिया, जिसने अपनी अमिट छाप छोड़ी तथा उनके देशों को बेहतरी की तरफ ले गये।

अब, वर्तमान में चीन के सुप्रीम लीडर, शी जिनपिंग एक मॉडर्नाइज़र के रूप में डैंग शिपिंग विरासत पर अपना दावा कर रहे हैं प्रभावी रूप के शी, डैंग के विपरीत दिशा में जा रहे हैं। डैंग शिपिंग, को उनकी छोटी कद काठी के बावजूद ‘‘पॉलिटिकल जायंट’’ कहा जाता है। इसके विपरीत शी जिनपिंग ने डैंग के सुधारों को कई क्षेत्रों में खत्म कर दिया है। अंततः ऐसा लगता है मानो शी की विरासत किसी भी तरह से डैंग की विरासत का मुकाबला नहीं कर सकती। डैंग ने चीन में मूल परिवर्तन किए, समाज तथा अर्थव्यवस्थ, दोनों में।

- पर दोनों का स्वर्णिम काल तब आया जब उन्हें रिटायरमैंट के बाद बुलाकर प्रधानमंत्री/ राष्ट्रपति बनाया गया और वे अपने देश को उस शिखर पर ले गए, जिसकी किसी को उम्मीद नहीं थी।
- डैंग ने भी राव की भांति देश की अर्थव्यवस्था में भारी सुधारवादी परिवर्तन किए, जिनका लाभ चीन अभी तक उठा रहा है।
- पर डैंग का जन्मदिन चुपचाप इसलिए मनाया गया, क्योंकि, वर्तमान राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने डैंग की उदारवादी इकॉनमी को विश्व के लिए खोलने जैसे परिवर्तनों को बदल दिया है।
- शी, बेवजह सभी सीमाओं पर आक्रामक नीति अपनाए हुए हैं और अपनी सैन्य ताकत के बल पर विश्व पर छाना चाहते हैं। अतः डैंग और उनका सोच इस समय चीन में ज्यादा फैशन में नहीं है।

डैंग शिपिंग की खुली मानसिकता फ्रांस की देन हो सकती है जहाँ उन्होंने अपने जीवन के कुछ उन्होंने अपने जीवन के कुछ प्रांरभिक वर्ष बिताए थे। वो, होनहार युवाओं को मॉडर्न इन्डस्ट्रियल टैक्नॉलोजी में प्रशिक्षित करने के एक कार्यक्रम का हिस्सा थे। उन्होंने फ्रांस की छोटी फैक्टरियों में काम किया था तथा उन्होंने प्राइवेट सैक्टर इकॉनमी तथा उससे जुड़ी अनिश्चितताओं को देखा व समझा था।

सर्वाधिक महत्वपूर्ण यह है कि फ्रांस में ही वो जाओ एनलाई के करीबी संपर्क में आए, जिनके साथ वो, जाओ एनलाई की मृत्यु तक, जीवन भर जुड़े रहे, कभी-कभी गुप्त रूप से भी माओवादी शाजन के दौरान माओ था

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पुराने एम.आर.ई.सी. परिसर में बहुमंजिला बिल्डिंग की योजना नहीं, याचिका खारिज

जयपुर, 5 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने गांधी नगर स्थित पुराने एम.आर.ई.सी. परिसर में मास्टर प्लान के विपरीत बहुमंजिला इमारत के निर्माण को लेकर लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई को बंद कर दिया है। अदालत ने कहा कि मामले में किसी

- महाधिवक्ता ने कहा कि यदि भविष्य में सरकारी अधिकारियों के आवास के लिये बहुमंजिले भवन का प्रस्ताव बनाया गया तो उसे विधि अनुसार, मास्टर प्लान के हिसाब से सक्षम अधिकारी की अनुमति लेने के बाद ही बनाया जायेगा।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK CMYK